Expansion of the Namrup Fertilizer Plant

•157. SHRI NABIN CHANDRA BURAGOHAINtf SHRI NRIPATI RANJAN CHOUDHURY: SHRI C. P. MAJHI:

Will the Minister of PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to refer to the answer to Starred Question 27 given in the Rajya Sabha on the 18th July, 1977 and state:

(a) whether Government have finally decided to expand the Namrup Fertiliser Plant instead of setting up a new plant at Mazenga in Sibsagar district of Assam; and

(b) whether the final feasibility reports also do not favour the setting up of a fertilizer plant at Mazenga; if *so,* for what reasons?

पेट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनेश्वर मिश्र) : (क) और (ख) असम के शिवसागर जिले में एक नये ग्रास रूट संयंत्र की स्थापना करने की अपेक्षा सरकार तकनीकी–आर्थिक दृष्टि से नामरूप उर्वरक संयंत्र का विस्तार करने के पक्ष में है। इसके कारण, संक्षिप्त रूप में निम्न प्रकार हैं :

(i) दोनों स्थानों पर प्रतिदिन लगभग 5 लाख घन मीटर गैस का यातायात करना पड़ता है और इनमें से किसी और स्थान गैस के यातायात का विशेष लाभ नहीं है।

(ii) वर्तमान नामारूप संयंत्र की बिजली को आवश्यकता को पूरा करने के लिए एक कप्टिव पावर प्लांट की आवश्यकता है। दो स्थानों पर अलग-अलग विद्युत संयंत्र स्थापित करने की अपेक्षा नामरूप में विद्यमान संयंत्रों और विस्तार संयंत्रों के लिए एक ही विद्युत संयंत्र स्थापित करना कम महंगा है।

(iii) नामरूप भूमि सहित इनफास्ट्रेक्चर सुविधाएं भी प्रदान कर रहा है जिससे संयंत्र की लागत कम होगी।

किये गये अध्ययनों के आधार पर नामरूप विद्युत संयंत्र की लागत एक नये संयंत्र की अपेक्षा 12 करोड़ रुपये तक कम होगी और इससे नामरूप में यूरिया उत्पादन की लागत प्रति मी० टन 55 रुपये तक कम होगी।

$[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI JANESHWAR MISHRA): (a) and (b) On techno-economic considerations, Government favour expansion of Namrup fertilizer plant as against a new grass root plant in Sibsagar district of Assam. In short, the reasons are given below:

(i) Both the locations involve transport of gas of about 5 lakhs cubic meters per day and neither location has any particular advantage regarding transport of gas.

(ii) There is a need for a captive power plant to meet the critical power requirements of the existing Namrup plants. It is less expensive to set up a common power plant for the existing and expansion plants at Namrup than set up separate power plants at two locations.

(iii) Namrup offers infrastructure facilities including land which brings down the cost of the plant.

As per the studies, the cost of the plant at Namrup will be about Rs. 42 crores less than one at a new site and this will result in the cost of production of urea being cheaper at Namrup by Rs. 55 per tonne.]

tThe Question was actually asked on the floor of the House by Shri Nabin Chandra Buragohain.

: [ ] English translation.

SHRI NABIN CHANDRA BURA-GOHAIN: The proposed expansion of the Namrup Fertiliser Plant has been facing the problem of dearth of water, the problem of rehabilitation of the uprooted cultivators due to the requisition and carrying of gas from to far off oil-fields. Therefore, the people of Assam have been insisting on the location of a unit at Mazenga where land was promised to be given by the Government of Assam without any compensation and which is very close to the three oil-fileds. Therefore, the outgoing Ministry was pleased to call for a feasibility report which preferred Mazenga to Namrup. May I know the reasons which led this. Ministry to change the opinion of the experts?

श्री जनेश्वर मिश्र : उपसभापति महोदय, गैस पर आधारित खाद का कारखाना चाहे शिवसागर जिले में खुले या नामरूप वाला संयंत्र का विस्तार किया जाए दोनों में गैस पाइप लाइन लाने के लिये समान खर्चा पड़ रहा है। गैस की पाइप लाइन आयल इंडिया द्वारा नियंत्रित नहरकटिया आयल फील्ड से तथा ओ०एन०जी०सी० द्वारा नियंत्रित गलाकी और रुद्रसागर आयल फील्ड से लानी पड़ेगी। मैं समझता हूं कि इनमें नामरूप की जगह ज्यादा सुविधाजनक पड़ रही है। गैस की पाइप लाइन बिछाने पर बराबर खर्च पड़ेगा। मैं यह साफ कर देना चाहता हूं। यह सभी विशेषज्ञों की निश्चित राय है। नामरूप में कैप्टिव पावर प्लान्ट बनाने की योजना बन चुकी है। वहां पर फर्टिलाइजर के दो प्लान्ट पहले से ही चल रहे हैं। आसाम में बिजली इतनी ज्यादा फ्लक्चुएट करती है और इन्टरप्ट होती है कि नामरूप के वर्तमान दोनों संयंत्रों के लिये एक कैप्टिव पावर प्लांट लगाना अनिवार्य है। शिवसागर जिले में नया खाद कारखाना खोलने से वहां भी अलग से एक कैप्टिव पावर प्लांट लगाना आवश्यक हो जायेगा। इससे खर्च बहुत बढ़ जायेगा। इसलिए हम समझते हैं कि इन दो कारणों से दूसरा नया कैप्टिव पावर प्लान्ट बनाना उचित नहीं होगा। इसके अलावा शिवसागर जिले के लिए आसाम सरकार ने और वहां के मुख्य मंत्री ने चिटठी लिखकर इस बारे में काफी जोर दिया है। लेकिन शिवसागर जिले में इतने भूकम्प आते हैं और बाढ़ आती है कि वहां प्लांट बनाना वांछनीय नहीं है। अगर वहां पर कोई प्लान्ट बनाया गया तो उस पर 154 करोड़ रुपये लगेंगे और नामरूप में यही प्लान्ट एक्सपेन्ड किया जाय तो 142 करोड़ रुपये लगेंगे। इसलिए यह जरूरी समझा गया कि यह फर्टिलाइजर प्लान्ट नामरूप में ही बनाया जाये।

SHRI NABIN CHANDRA BURA-GOHAIN: Sir, the gas oozing out of the three oilfields—Rudrasagar, Galeki and Lakwa—is being needlessly wasted since a long time. May I know whether any plan has been drawn up to utilise the gas ozzing out of these three oilfields? Also may I know what might be the quantum of gas from these three oilfileds and what percentage of that quantum of gas is now being utilised for development work?

श्री जनेश्वर मिश्र : मान्यवर, आयल इंडिया के नहर कटिया तेल क्षेत्र से जो गैस मिलेगी उस की मात्रा 5 लाख 54 हजार क्यूबिक मीटर हर रोज होगी।

SHRI NABIN CHANDRA BURA-GOHAIN: I am not talking of Naha-rkatia. I am talking of Rudrasagar, Galaki and Lakwa.

श्री जनेश्वर मिश्र : मैं दोनों के बारे में बता रहा हूं। इस संयंत्र को चलाने के लिए जिसमें 600 मीट्रिक टन आमोनियम हर रोज पैदा किया जाएगा, नहर कटिया से हमको 5 लाख 54 हजार क्यूबिक मीटर गैस प्रति दिन मंगाना पड़ेगा और इसी तरह से शिवसागर, रुद्रसागर और गलाकी से पांच लाख क्युबिक मीटर प्रति दिन गैस मांगनी पड़ेगी। दोनों जगहों में लगभग बाराबर गैस की मात्रा है। इसलिए जो पाइप लाइन बिछाई जाएगी वह नाम-

रूप से शिवसागर लाई जाय या शिवसागर से नामरूप लाई जाय, बराबर खर्च पड़ेगा।

SHRI NRIPATI RANJAN CHOUDHURY; Sir, according to the estimate we got from the Minister, the difference in cost is only Rs. 12 crores but there is something wrong in the estimate. The Minister says that if another plant is establihed at Mazenga, then gas has to be carried from Namrup to that place. That is not correct. For Mazenga no pipeline is necessary; that is quite close to the oilflleds. Only for Namrup they have to carry by pipeline. So, no pipeline from Naharkatia and Mazenga is necessary. But he has taken these into account while calculating the cost of the two plants. Whereas people would be uprooted from the land requisitioned for the purpose of expansion of the Namrup Fertiliser Plant, it is not so in the case of Mazenga. Then how do they calculate that the cost of setting up a plant at Mazenga is higher than the expansion of the Namrup plant? So this calculation is not correct. In view of this, may I know from the Minister whether he is going to review his statement and also the decision they have taken?

12 NOON

श्री जनेश्वर मिश्र : मान्यवर, नामरूप में जमीन पहले से उपलब्ध है। अब अधिक से अधिक केवल 90 एकड़ जमीन और चाहिए जब कि शिवसागर में हमें सारी जमीन का एक्वीजीशन करना पड़ेगा। ऐसी हालत में ऐसे सवाल खड़े होंगे कि हम किसानों को उनकी जमीन से बेदखल कर रहे हैं।

श्री एन० पी० चौधरी : वहां भी जमीन आपको लेनी नहीं पड़ेगी। शिवसागर में स्टेट गर्वनमेंट सारी जमीन मुफ्त में देने को तैयार है। फिर आप उस जमीन को क्यों नहीं लेते ?

श्री जनेश्वर मिश्र : यदि स्टेट गवंनमेंट जमीन मुफ्त में देने को तैयार है तोभी किसानों से वह जमीन खाली कराने में समय लगेगा। इससे खाद के उत्पादन में विलम्ब होगा।

श्री नृपति रंजन चौधरी : यहां भी आपको जमीन खाली करानी पड़ेगी। जहां तक स्वयं दे रहे हैं का सवाल है, पहले जिन लोगों से कहा गया था, उनसे खाली नहीं करा पाए और अब नए लोगों से यह कहा जा रहा है।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Question Hour is over.

मैं मंत्री महोदय से निवेदन करूंगा कि जिन माननीय सदस्यों ने यह प्रश्न पूछा है, उनसे वे अपने दफ्तर में बुला कर चर्चा कर लें।

श्री एच० एन० बहुगुणा : श्रीमन, यदि आपकी आज्ञा हो तो मैं भी कुछ कहूं : Sir, the position is that, so far as the uprooted persons are concerned, the Government has already deposited the money with the State Government. It is for the State Government to make payments to the people whose land has been taken over in Namrup. As far as the uprooted persons are concerned, it is the policy of this Government to see that we try to accommodate one person from every family whose land we take over by training him and putting him in employment. I think nothing better than this could be done.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Meeting of the D.P.C. of the Medical Department in the Indian Railways

•153. SHRIMATI AZIZA IMAM:
SHRI AHMAD HOSSAIN MONDAL:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether any meeting; of the D.P.C. in the Medical Department of